696

RJ-01

December - Examination 2016

B.A. Pt. I Examination

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

Paper - RJ-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ पेपर खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स'में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ा है।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

निर्देश : इण खण्ड में दियोड़ा सगळा सवालां रौ उत्तर देवणौ जरूरी है। आपरै उत्तर री सींव अधिकतम 30 सबद है।

1) (i) मध्यकालीन गद्य रूप 'टब्बा' सूं आप कांई अरथ करौ?

(ii) 'हूं गोरी किण पीव री' उपन्यास रै रचयिता रौ नांव लिखौ।

(iii) 'अलेखू हिटलर' कहाणी रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(iv) 'सळवटां' कहाणी–संग्रह रा रचयिता कुण है?

(v) आधुनिक राजस्थानी री चावी कहाणी 'बातां' रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(vi) 'वकील साब' रेखा चितराम रा रचनाकार रौ नाव लिखौ।

(vii) 'ओळूं री अखियातां' रेखाचित्र पोथी रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(viii) डॉ. शिवराज हंगाणी री रच्यौड़ी दो पोथियां रा नांव लिखौ।

(ix) 'बोळावण' अेकांकी नाटक रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(x) 'इब तो चेतो' नाट्य पोथी किणरी लिख्यौड़ी है?

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा उत्तर अधिकतम 200 सबदां री सींव में लिखौ।

2) राजस्थानी साहित्य रै आरम्भिक गद्य री संक्षेप में जाणकारी लिखौ।

3) राजस्थानी साहित्य रा प्रमुख कहाणीकार विजयदान देथा सूं जुड़्यौड़ी जाणकारी प्रस्तुत करौ।

4) रामेश्वर दयाल श्रीमाली रचित कहाणी 'कांचळी' रौ आसय आपरै सबदां में मांडो।

5) सप्रसंग व्याख्या करौ –

''म्हैं सौचण लाग्यौ, अै म्हारा
सागी बैनोई है पण आं नै
आईज टैम लाघी आवण नै?
पण आंरौ ईं कांई कसूर ?
दिन रा तो मजूरी जावै।
पांचवी तांई पढ़'र वैगा–सीक
मजूरी जावण लागग्या हा।
आजकाल सात–आठ रिपिया
रोज रा कमाय लावै। म्हैं

आं नै पूरौ आव–आदर देवूं।
बियांस म्हारी बिरादरी में
जंवाई रौ सासरै में आवण–
जावण रौ घणौ हिसाब कोनी।''

6) आधुनिक राजस्थानी कहाणी री प्रवृत्तियाँ स्पष्ट करौ।

7) आजादी पहै री राजस्थानी अेकांकी बाबत आपरी जाणनारी उजागर करौ।

8) रावत सारस्वत रौ जीवन परिचै उजागर करौ।

9) राजस्थानी मासा रा चावा नाटककार अर्जुन देव चा रण रै रचनाकर्म बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी दो सवालां रा उत्तर अधिकतम 500 सबदां री सींव में लिखौ।

10) आधुनिक राजस्थानी कहाणी रौ उद्‌भव अर विकास स्पष्ट करौ।

11) राणी लक्ष्मीकुमारी चूंडावत रचित कहाणी 'रजपूताणी'री विरोळ आपरै सबदां में लिखौ।

12) सांवर दइया रचित कहाणी ''गळी जिसी गळी'' री विवेचना करौ।

13) राजस्थानी मासा रा प्रमुख रचनाकार यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' रै रचनाकर्म सूं जुड़्यौड़ी सांतरी जाणकारी आप रै सबदां में मांडौ।